मोड़ो घणो आयो रे सांवलिया थे मारी लाज गवाई रे

मोड़ो घणो आयो रे सांवलिया,
थे मारी लाज गवाई रे,
लाज गवाई रे,
सोवला लाज गवाई,
थे मोङो आयो रे कोनुङा,
थी मारी लाज गवाई रे।bd।

सगा वाला रे महल मालिया,
खीङकी नयारी रे,
नरसी भक्त रे टुटे झुपङे,
वसमी बारी रे,
मोङो घणो आयो रे सांवलिया,
थे मारी लाज गवाई रे।bd।

और जना रे हिरक पथरणा,
कांबल नयारी रे,
नरसी भक्त रो फाटी गोदङी,
वसमी कारी रे,
मोङो घणो आयो रे सांवलिया,
थे मारी लाज गवाई रे।bd।

सगा वाला रे लाडु घेवर,
चुरमा नयारा रे,
नरसी भक्त रे खाटी राबङी,
वो भी बासी रे,
मोङो घणो आयो रे सांवलिया,
थे मारी लाज गवाई रे।bd।

नरसी भक्त री अर्ज विनती,
सोभल सुनजो रे,
नैनु बाई रो मायरो पुरीयो,
चावल पुरे हो,
मोङो घणो आयो रे सांवलिया,
थे मारी लाज गवाई रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मोड़ो घणो आयो रे सांवलिया,
थे मारी लाज गवाई रे,
लाज गवाई रे,
सोवला लाज गवाई,
थे मोङो आयो रे कोनुङा,
थी मारी लाज गवाई रे।bd।

गायक – सांवरमल सैनी।
प्रेषक – देव पुरोहित नाथोणी जेरण।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com